विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 14 से 20 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 38 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

महिलाएं प्रभु का दुनिया के लिए अनुपम उपहार हैं, यह जहां सृजन का माध्यम हैं, वहीं संस्कारों की जननी होती हैं. महिलाओं की माया,ममता का कोई जवाब नहीं हो सकता है.महिला दिवस पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार सभी महिलाओं को नमन करता है. साथ ही यह कामना करता है कि संसार और संस्कार दोनों को ही बेहतरीन ढंग से संभालने वाली महिलाएं स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी ममता की छांव सदैव मिलती रहे.

अहमदनगर का नाम हुआ अहिल्यानगर

शिंदे सरकार का फैसला,आशा सेविकाओं का बढ़ा मानधन, स्वास्थ्य अभियान ठेका कर्मी सेवा में लेंगे

विदर्भ स्वाभिमान,13 मार्च

मुंबई- राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा विभिन्न समस्याओं को सुलझाने के प्रयास के साथ ही राज्य के अहमदनगर जिले का नाम बदलकर अहिल्यानगर करने का फैसला राज्य सरकार ने लिया है. राज्य मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में कई फैसले लिए गए. राज्य मंत्रिमंडल ने शहर और जिले का नाम बदलने को मंजूरी देने के साथ ही आशा सेविकाओं के मानधन में 5 हजार रूपए की बढ़ोत्तरी का फैसला किया है. अहमदनगर जिले में अहिल्यादेवी का जन्मस्थान है. जामखेड़ तहसील के चौड़ी गांव में

उनका जन्म हुआ है. राज्य सरकार द्वारा लिए गए फैसले की जानकारी केन्द्र को दी गई है.

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए बताया गया कि लिए गए फैसले पर केन्द्र की मंजूरी मिलने के बाद अहमदनगर शहर, जिला तहसील के साथ ही महानगर पालिका का नाम बदलने की कार्रवाई नगर विकास मंत्रालय द्वारा शुरू की जाएगी. राजस्व और नगर विकास विभाग द्वारा यह जिम्मेदारी संभाली जाएगी.

आशा सेविकाओं को राहत

पिछले कई महीने से न्यायिक मांगों के लिए संघर्ष करने वाली आशा सेविकाओं के मानधन में 5 हजार रूपए की वृद्धि करने की मंजूरी राज्य मंत्रिमंडल द्वारा दी गई है. नवंबर 2023 से मार्च 2024 तक के मानधन की अदायगी के लिए 200 करोड़ से अधिक राशि को मंजूरी भी मंत्रिमंडल द्वारा दी गई है. मंत्रिमंडल ने श्रीनगर के पास महाराष्ट्र राज्य का अतिथिगृह बनाने के लिए ढाई एकड़ जमीन लेने को मंजूरी दी है.बैठक में स्वास्थ्य को अत्याधिक प्राथमिकता देते हुए एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत दस साल अथवा उससे अधिक समय से सेवा में जुड़े ठेका कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवा के मंजूर समकक्ष पदों पर नियुक्त करने का फैसला लिया है. इस फैसले से राज्य के हजारों स्वास्थ्य ठेका कर्मचारियों को लाभ होने की जानकारी है. आईटीआई गके ठेका शिल्प निदेशकों को भी सेवा में लिया गया है. 297 ठेका शिल्प निदेशकों को भी सेवा में शामिल करने का फैसला लिया गया.

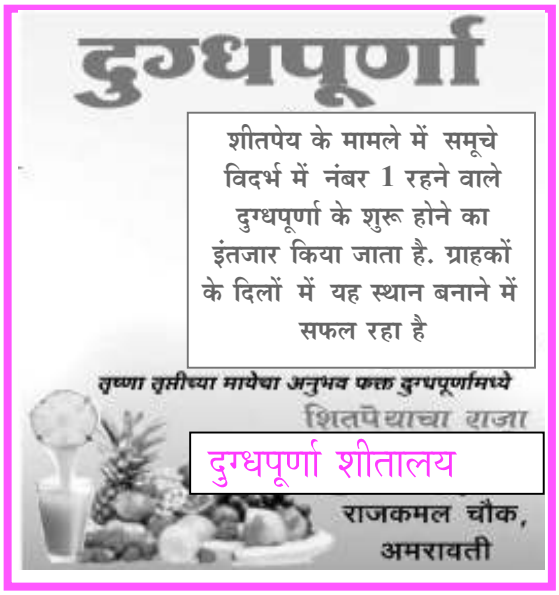

संपादकीय

पांढरी खानमपुर गांव को किसकी नजर

एक मराठी कहावत है जो काफी लोकप्रिय है,जो राव न करी, तो गाव करी यानी जो राजा नहीं कर सकता है, अगर गांववालों ने उसे करने का फैसला किया तो सभी गांववासी उसे कर सकते हैं. लेकिन अमरावती जिले की अंजनगांव सुर्जी तहसील के पांढरी खानमपुर गांव में पिछले 26 जनवरी के बाद से जिस तरह से गांव में डॉ. बाबासाहब आंबेडकर प्रवेश द्वार को लेकर गांव में तनाव पैदा हुआ है, जो गांववासी इसके पहले एक-दूसरे से सुख-दुख के साथी हुआ करते थे, उन लोगों में जिस तरह की नाराजी और तनाव की स्थिति बनी है और गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है, इसका समर्थन किसी भी रूप में नहीं किया जा सकता है. आमतौर पर आगामी दिनों में चुनाव रहने से यह स्थितियां कोई नई बात नहीं है. जिन पर समाज को आगे ले जाने की और शांति व्यवस्था में प्रशासन का साथ देने की जिम्मेदारी होती है, उनके ही दोहरे चेहरे कोई नई बात नहीं है. यह हर भारतीय राजनीति के घटियापन पर बनी कई फिल्मों को देखकर जानता है. लेकिन हैरत इस बात की होती है कि यह जानकर भी वह इस तरह के भड़कावे में आ जाता है और अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार लेता है. गांव में तनाव से लेकर संभागीय आयुक्त कार्यालय पर की गई तोड़फोड़, 18 लाख से अधिक के नुकसान और पुलिस द्वारा 1 हजार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. प्रवेश द्वार का मुद्दा कोई इतना बड़ा मुद्दा नहीं था, जिसके लिए यहां तक स्थिति पैदा होती थी. लेकिन दुर्भाग्यवश गांववासियों को क्या हो गया है. इस मामले में जिलाधिकारी सौरभ कटियार की भूमिका की सराहना की जानी चाहिए, उन्होंने आरंभ से ही समन्वय से समस्या का हल निकालने का प्रयास किया. आखिर गांव में यह आग किसने लगाई, इसका गहराई से पता लगाते हुए ऐसे तत्वों को सामने लाने के साथ ही अब तो भी गांव के दोनों पक्षों को समझदारी का परिचय देते हुए अपने,गांव के विकास के बारे में सोचना चाहिए. आज पुलिस के डर से हजारों गांववासी बाहर हैं और गांव में सन्नाटा छाया है. गांव की दस हजार की आबादी है लेकिन ग्रामसभा में केवल 1500 के करीब ही ग्रामवासी उपस्थित थे. इसमें ग्राम में किसी तरह का द्वार नहीं लगाने और पूर्व के इस बारे में पारित प्रस्तावों को रद्द किया गया. यह जरूरी भी है. जिस बात से गांव में तनाव पैदा हो, वैसी कोई हरकत नहीं की जानी चाहिए. गांववासियों को समझदारी का परिचय देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी को भड़काना आसान है लेकिन लगी आग बुझाने के लिए कलेजा चाहिए. प्रशासन को भी चाहिए कि दोषियों पर कार्रवाई करे लेकिन निर्दोष लोगों को किसी भी रूप में परेशान नहीं किया जाना चाहिए.गांव के जो बच्चे कल तक साथ में पढ़कर जीवन संवारने का सपना देखते थे, आज एक-दूसरे से बचने का प्रयास कर रहे हैं, यह गलत है.

किसानों के साथ कब तक मजाक

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

भारत में कई बार किसानों की दयनीय हालत को देखकर यह लगता है कि आखिर सारी परेशानियों का खापर किसानों पर ही क्यों फूटता है. आखिर क्या कारण है कि वह सबसे अधिक मेहनत करता है,देशवासियों का पेट भरता है लेकिन उस पर कभी मौसम तो कभी सरकारी मार ही पड़ती है. इसमें पूरी तरह से सरकार का भी दोष नहीं है. भारत में जितनी बार किसानों का कर्ज माफ किया जाता है, उन्हें सरकारी मदद देने का काम भी चलता है लेकिन इसके बाद भी किसानों की आत्महत्या अगर हो रही है तो निश्चित तौर पर सरकारी नीतियां कहीं न कहीं गलत हैं, इस बारे में भी विचार किया जाना चाहिए. इसके साथ ही किसानों को भी खेती के साथ ही विभिन्न पूरक व्यवसाय तथा साइड बिजिनेस के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए.

किसानों को फसलों के नुकसान की अदायगी और उन्हें संकट की स्थिति से बचाने के लिए सरकार द्वारा फसल बीमा योजना शुरू की गई है. लेकिन शुरू करने के बाद से यह सदैव विवादों में रही है. कंपनी ने करोड़ों -अरबों रूपए इस योजना से कमा लिए हैं लेकिन किसानों को अपने हक के पैसे के लिए भी तरसना पड़ता है.जबकिमौसम के कारण फसलों के नुकसान के बाद तत्काल किसानों को मदद मिलनी चाहिए. लेकिन दुर्भाग्य सभी बोगस काम करने के लिए भी हमारे यहां कानूनी औपचारिकता को पूरा करने का नाटक किया जाता है. जबकि सच्चाई यह है कि बीपीएल सूची अगर गहराई से जांच की जाए तो इसमें जरूरतमंदों से कई गुना ऐसे लोग हैं, जो इसका एक भी मापदंड पूरा नहीं करते हैं. खैर... इसका उदाहरण बीच-बीच में आता है. अंजनसिंगी के किसान भोजराज मानकर के बैंक खाते में फसल क्षति के रूप में बीमा कंपनी की ओर से 100 रूपए जमा किए गए .फसल कंपनी व्दारा इस तरह मजाक क़रने से नाराज किसान द्वारा फसल बीमा के जमा 100 रूपए निकालने के लिए किसान ने पुलिस अधीक्षक से पुलिस सुरक्षा देने की गुहार लगाई. उन्होंने भी किसान की भावनाओं की कदर करते हुए पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई. बैंक में चार पुलिस कर्मचारियों को लेकर पहुंचे किसान ने संदूक में फसल बीमा के मिले 100 रूपए रखे और पुलिस सुरक्षा में इसे घर तक लाकर गांधीगिरी की. सवाल यह है कि आखिर फसल बीमा का लाभ किसानों को क्यों नहीं दिया जाता है. सरकार द्वारा क्या किसान हित में यह योजना शुरू की गई है या फिर बीमा कंपनियों को मालामाल करने के लिए. अगर किसानों के लिए है तो इसका लाभ उन्हें नुकसान होने के तत्काल क्यों नहीं दिया जाता है. मौसम की खराबी से फसलों की बर्बादी क्यों नहीं दिखाई देती है.

सम्पन्नता में सादगी है संजय श्रीराव की बेहतरीन खूबी

विदर्भ स्वाभिमान

कहते हैं कि कुछ लोगों पर महाकाल की जोरदार कृपा होती है, उनके हाथों ऐसा काम करवा लेते हैं, जो सभी के लिए चर्चा के साथ ही सोच वाली बात हो जाती है. कुछ इसी तरह का युवक है शिवशंकर नगर निवासी तथा भगवान भोलेनाथ की भक्ति में रमा संजय श्रीराव. जीवन में कई उतार-चढ़ाव जहां उसने देखा है, वहीं दूसरी ओर उसका स्पष्ट मानना है कि काल उसका क्या करे, जो भक्त हो महाकाल का. अपने आराध्य के बारे में इस तरह का विश्वास सही भक्त ही कर सकता है.

स्थानीय शिवशंकर नगर निवासी तथा क्षेत्र में सामाजिक कामों के लिए सुख्यात संजय श्रीराव युवा नेता के रूप में प्रभाग में तेजी से सामने आ रहे हैं. उनके मुताबिक तेली समाज के राष्ट्रीय स्तर के संगठन के पदाधिकारी के साथ ही शिवशंकर नगर के महाकाल मंदिर के निर्माण तथा यहां होने वाले विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के चलते अल्प समय में ही उन्होंने अपार प्रेम तथा सम्मान प्राप्त किया है.इसे भी वह महाकाल का प्रसाद मानते हैं.मंदिर के कारण पूरे क्षेत्र में जहां रौनक आ गई है, वहीं यहां होने वाले विभिन्न कार्यक्रम के साथ ही रात्रि में क्षेत्र के बुजुर्ग लोगों के साथ ही युवाओं की टीम भी यहां बैठती है. महाशिवरात्रि के दिन यहां महाप्रसाद का हजारों की संख्या में भक्तों ने लाभ लिया. महाकाल मंदिर में होने वाली आरती में उमड़ने वाली भीड़ के साथ ही युवा नेता के रूप में भी संजय श्रीराव लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए भी तत्पर रहते हैं.उनका मानना है कि मानवता की सेवा की तुलना पैसों से नहीं की जा सकती है. यारों के दिलजार यार संजय श्रीराव का कहना है कि जीवन में सदैव अच्छी सोच रखने से काम होता है.वे समाज के साथ ही कई पदों पर बेहतरीन काम कर चुके हैं और कर रहे हैं. संजय में अपनापन उनमें कूट-कुटकर भरा है. वे कहते हैं मेहनत, ईमानदारी, काम के प्रति समर्पण ऐसी खूबी है, जिससे मानसिक संतुष्टी और सफलता मिलती है.महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में महाकाल मंदिर में आयोजित कार्यक्रम की लोग सराहना करते नहीं थक रहे हैं. मेहनत तथा ईमानदारी जीवन में यारों का तथा अन्यों का साथ, उनका आशिर्वाद और उनका स्वभाव सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहता है.उन्हें ईमानदारी, निष्ठा तथा नैतिकता की सीख माता-पिता से ही मिली है.जीवन में वे माता-पिता को अत्याधिक महत्व देते हैं.मानवता के कामों में सदैव यथासंभव मदद करते हैं. संजय श्रीराव को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

महिलाओं का त्याग, समर्पण ही निखारता है परिवार

विदर्भ स्वाभिमान नारी सम्मान से 5 महिलाएं सम्मानित,हर साल देंगे यह पुरस्कार,पहल की सभी महिलाओं ने सराहना की

अमरावती - ज़ीवन में मेहनत, समर्पण को सफलता की कुंजी मानने वाले जीवन में कभी पीछे नहीं होते हैं. वे अपनी मेहनत और लगन के बलबूते सदैव आगे बढ़ते जाते हैं. इसलिए सभी को अपने क्षेत्र में मेहनत के बलबूते कामयाबी हासिलि करने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में मेहनत, लगन और काम के प्रति समर्पण के साथ ही मीठी जुबान से ही कामयाबी मिलती है. इस आशय का मत पूर्व नगर सेविका सौ. सुनंदाताई खरड ने किया. वे विदर्भ स्वाभिमान नारी सम्मान स्वीकार करने पश्चात मार्गदर्शन कर रही थी. प्रमुख अतिथि के रूप में समाजसेवी राजेश बनारसे, अमर सोनवलकर, श्रीमती कमल बानेवार, वनिता गोळे, छाया सोनवलकर, ओम हातगांवकर, श्रीमती बुच्चा सहित क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं. सौ. सुनंदा खरड मार्गदर्शन के समय भावुक भी हो गई.मौके में विद्या महाजन, रोहिणी तुपकर, प्रांजल गुल्हाने, श्रद्धा मोहोड,चेतना रंधवे, संजीवनी इसासरे, उषा महाजन, राधा चव्हाण, श्रीमती हातगांवकर, सौ.मीना हातगांवकर, सिद्धी, शारदा बानेवार, शीतल ढोले सहित अन्य उपस्थित थे. संचालन भावना बनारसे तथा आभार प्रदर्शन वीणा सुभाष दुबे ने किया.

गुंजन राजपुरोहित ने किया मां का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान बेटी द्वारा जब मां का सम्मान किया गया तो पूरा प्रसंग भावनामय हो गया. श्रीमती बुच्चा धार्मिक के साथ ही बच्चों को आदर्श संस्कार देने वाली मां है, उनका सत्कार कार्यक्रम में गुंजन राजपुरोहित ने किया. इस समय मां-बेटी के चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी. दोनों ने विदर्भ स्वाभिमान परिवार की इस पहल की सराहना की और सदैव साथ रहने का भरोसा भी दिलाया.

ग़रीबों की अन्नपूर्णा हैं छायाताई

आज के दौर में जहां सब कुछ रहने के बाद भी लोग किसी को खुशी देने से बचते हैं, वहीं छायाताई सोनवलकर 35 साल से 2 रूपए से लेकर 10 रूपए में गरीबों, दिव्यांगों को पति विट्ठलराव,पुत्र अमर के साथ मिलकर भोजन करा रही हैं. उनके मुताबिक हम कुछ अच्छा करते हैं तो निश्चित तौर पर प्रभु हमारा बुरा नहीं होने देते हैं. उनके सम्मान पर तालियों से मंच गूंज उठा.

संघर्ष ही सफलता का मंत्र-श्रीमती कमल बाणेवार

ज़ीवन में मेहनत, समर्पण को सफलता की कुंजी मानने वाली समाजसेविका और मेहनत से परिवार को सम्मान दिलाने वाली श्रीमती कमल बानेवार के मुताबिक संघर्ष ही सफलता दिलाता है. इससे बचने का प्रयास करने पर जीवन में कभी सफलता नहीं देखी जा सकती है. महिलाएं ही घर को स्वर्ग बनाने का काम करती हैं. उन्हें सदैव सम्मान दें.

मेहनती व्यक्ति कभी भूखा नहीं मरता है-जीतेन्द्र गवली

अमरावती - ज़ीवन में मेहनत, समर्पण को सफलता की कुंजी मानने वाले जीवन में कभी पीछे नहीं होते हैं. वे अपनी मेहनत और लगन के बलबूते सदैव आगे बढ़ते जाते हैं. इसलिए सभी को अपने क्षेत्र में मेहनत के बलबूते कामयाबी हासिलि करने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में मेहनत, लगन और काम के प्रति समर्पण के साथ ही मीठी जुबान से ही कामयाबी मिलती है. इसका उदाहरण जीतेन्द्र गवळी हैं. जिन्होंने स्वयं की मेहनत के कारण न केवल स्वयं को बल्कि कई लोगों को रोजगार दिया है. इलेक्ट्रिक, प्लंबिंग के साथ ही कई कामों की विशेषता रखने वाले जीतेन्द्र जैसे युवक आज के व्यसनों की लत में जाकर माता-पिता के लिए सिरदर्द साबित होने वाले युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हो सकते हैं. जीतेन्द्र ने काफी संघर्ष किया है. लेकिन मधुर स्वभाव, काम के प्रति समर्पण जैसी खूबियों के कारण आज वह सदैव व्यस्त रहते हैं. अपने काम में व्यस्त रहने के साथ ही ग्राहकों की समस्याओं को हल करने के लिए सदैव अग्रणी रहते हैं. उनके मुताबिक जीवन में जब भी निराशा हो, उन बच्चों के बारे में सोचना, जिन्हें दिखता नहीं है लेकिन वे अपने क्षेत्र में महारत हासिल करते हैं.

जीवन में कामयाबी के लिए मेहनत जरूरी होती है. जो व्यक्ति मेहनत से डरता है, वह जीवन में कभी भी कामयाब नहीं हो सकता है. यह कहना है जीतेन्द्र गवळी का. उनके मुताबिक काम में अगर गुणवत्ता होगी तो काम की चिंता नहीं होगी. इलेक्ट्रिक, प्लंबिंग के साथ ही कलरिंग के काम में माहिर रहने वाले जीतेन्द्र गवळी के मुताबिक ग्राहकों का संतोष उनके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है.

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

पार्वती नगर से लोणटेक मार्ग बना है खतरनाक

अमरावती -स्थानीय महात्मा फुले महाविद्यालय के सामने पार्वती नगर से लोणटेक के माध्यम से भातकुली जाने वाली सड़क तक का कच्चा रास्ता लोगों के लिए खतरनाक बन गया है. रास्ते की बद्हाली के कारण यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. इससे रेलवे गेटड से लेकर मुख्य मार्ग का रास्ता तत्काल सुधारने की मांग हो रही है.

परतवाड़ा में अभूतपूर्व होगी शिव महापुराण कथा

प्रकाश जयस्वाल बंधुओं का प्रयास बनेगा अन्यों के लिए प्रेरणा का माध्यम

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

संस्कार ही तैयार करते हैं आदर्श पीढ़ी

श्री विठ्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जीवन ही नहीं तो कई पीढ़ियों तक संस्कार का महत्व रहता है. यह मजबूत रहने पर हम कभी व्यसनी नहीं बनते हैं और जीवन में जो व्यक्ति सादगी से ओतप्रोत और समझदारी से जीवन जीता है, उसे कभी दिक्कत ही नहीं आती है, ऐसे में कोशिश करना चाहिए कि हम सदैव नेकी के साथ जिएंगे. गरीबी से जूझने के बाद भी अमीर बनने पर गरीबों की कदर नहीं करने वालों के जब बुरे दिन आते हैं तो लोगों से सम्मान की बजाय केवल गालियां ही खाते हैं, इसका सदैव ध्यान रखना चाहिए.

माता-पिता के सम्मान से मिलती है कामयाबी

अचलपुर- अमरावती में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के बाद परतवाडा में सुख्यात व्यवसायी जयस्वाल बंधुओं द्वारा 5 से 11 मई तक आयोजित शिव महापुराण कथा की तैयारियां जहां तेजी से की जा रही हैं, वहीं विधायक बच्चू कडू भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में हो रहे इस आयोजन को अभूतपूर्व बनाने के लिए जी-जान से प्रयास कर रहे हैं. इस दिशा में उन्होंने रविवार को विभिन्न सरकारी विभागों की बैठक लेकर यातायात, पार्किंग के साथ ही स्वास्थ्य सुविधा सहित अन्य इंतजामों पर चर्चा की. इस मौके पर 29 समितियों का गठन करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियां भी तय की गई. सभी पर जिम्मेदारी तय करने के साथ ही आयोजन स्थल की तैयारियों में भी प्रयास किया जाने लगा है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए प्रकाश जयस्वाल ने बताया कि आगामी पीढ़ियों को प्रेरणा देने के लिए उन्होंने बुजुर्गों की याद में इस कार्यक्रम का आयोजन किया है.

जो व्यक्ति जीवन में अपने पुराने तथा गरीबी या मुसीबत के दिनों को अमीरी में नहीं भूलता है, उसे ही इन्सान कहते हैं. लेकिन दुर्भाग्यवश आज गरीबी से अमीरी में आने के बाद गरीबों को कोसने वाले लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है. हमें यह याद रखना चाहिए कि आज भी हमारे पास जो कुछ है, वह केवल हमारे ही कारण नहीं है, बल्कि हमारे साथ ही हमारे माता-पिता के पुण्य कर्मों का प्रताप है. इसलिए स्वयं की सत्ता, अमीरी को कभी भी घमंड का माध्यम नहीं बनने देना चाहिए.परतवाड़ा की कथा को लेकर लोगों में जबर्दस्त उत्साह है और सभी इसे कामयाब बनाने में अपना योगदान देने अग्रणी दिखाई दे रहे हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. किरण एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

जीवन तभी सफल है जब

हमारा जीवन हमें तभी सफल मानना चाहिए जब हम किसी के बन जाएं या जीवन में किसी को अपना बना लें . मित्रता अगर करें तो स्वार्थ छोड़कर उसे निभाएं, किसी का हाथ पकड़ें तो उसे जीवनभर निभाए और प्रेम और सम्मान देते हुए जीवन में इस तरह का प्रेम और सम्मान पाएं कि हमें किसी का दोस्त होने पर गर्व हो, उससे अधिक उसे हमारी दोस्ती पर गर्व होना चाहिए. धन दौलत जरूरत हो सकती है लेकिन इंसानियत या रिश्तों से बड़ी कभी नहीं हो सकती है. जो लोग यह समझते हैं, उनके लिए हर स्थिति बेहतरीन हो जाती है. लेकिन जो लोग इसे नहीं समझ पाते हैं, उनके लिए समस्याएं अधिक होती हैं. प्रभु का नाम स्मरण करने से सद्भावना और संयम बढ़कर कई समस्याओं का निराकरण हो जाता है. इसलिए जीभर जिएं और दूसरों को भी खुशियों के माध्यम से जीने की सदैव प्रेरणा देने को ही जीवन जीना कहते हैं. वर्ना जी तो जानवर भी लेते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

माता-पिता हमारे जीवन की ऐसी एटीएम होते हैं जिनका प्रेम, आत्मीयता और अपनापन कभी भी खत्म नहीं होता है. उनके जैसा त्यागी हो ही नहीं सकता है. ऐसे में वे जब तक जिंदा हैं, उनकी सेवा करने के लिए समर्पित रहें. महिलाएं ही जब मां को समझ लेंगी तो कभी किसी माता-पिता को तकलीफ नहीं होगी.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

सौ.सुनंदाताई खरड का सम्मान

अमरावती- विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में विदर्भ के सबसे लोकप्रिय और आदर्श संस्कारों के साथ ही माता-पिता की सेवा को प्रोत्साहित करने वाले विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा पांच महिलाओं को नारी सम्मान देकर सम्मानित किया गया. इस मौके पर सामाजिक कामों में अग्रणी पूर्व लोकप्रिय नगर सेविका सौ. सुनंदाताई खरड को यह सम्मान देते संपादक सुभाष दुबे, नारी मंच की भावना बनारसे, वीणा दुबे, समाजसेवी राजेश बनारसे तथा वनिता गोले के साथ अमर सोनवलकर.

महादेवनगर में श्रीराम कथा सुनने उमड़े भक्त

पूज्य अर्पिता मानस भारती सुना रही हैं श्रीराम कथा, रोज विभिन्न कार्यक्रम, बिजली गिरने के बाद भी महादेव मंदिर रहा सुरक्षित

विदर्भ स्वाभिमान,13 मार्च

अमरावती- स्थानीय महादेव नगर स्थित महादेव मंदिर में 13 मार्च से 21 तक श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है. सप्ताह भर से अधिक समय तक चलने वाले कार्यक्रम का लाभ भक्तों से लेने का आग्रह किया गया है. कथा के पहले दिन ही भक्तों की भीड़ उमड़ गई. कथा प्रवक्ता नागपुर निवासी पूज्य अर्पिता मानस भारती जहां प्रभु श्रीराम के मानव जीवन में अवतार की खूबियों से भक्तों को अवगत करा रही हैं, वहीं दूसरी ओर प्रभु श्रीराम के जीवन आदर्श का अनुकरण जीवन में करने का आग्रह सभी से कर रही हैं. उनके मुताबिक प्रभु श्रीराम का आदर्श लेने से जीवन ही नहीं तरता है बल्कि समाज, परिवार और राष्ट्र भी तर जाता है. क़था को लेकरर क्षेत्रवासियों में जहां उत्साह है, वहीं इसकी सफलार्थ लगातार प्रयास कर रहे हैं.

महादेव नगर का प्रसंग पूरी तरह से श्रीराममय हो गया है. कथा सुनने के लिए क्षेत्र ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी हजारों की संख्या में भाविक उमड़ रहे हैं. और हजारों भक्तों के

अस्थास्थल के रूप में सुख्यात महादेव नगर के मंदिर में महादेवनगर सुधार समिति संकटमोचन हनुमान मंदिर समिति एंव महिला युवाओं की टीम व्दारा महादेवनगर के महादेव मंदिर में प्राण- प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया है. इसमें सोमवार को मंदिर में विट्ठल रुक्मिणी तथा 11 ज्योतिर्लिंग की प्राण – प्रतिष्ठा सोमवार की सुबह 8 बजे मंदिर परिसर में की गई. इस समय क्षेत्रवासी नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे. मंदिर में बुधवार 13 से 21 मार्च तक श्रीराम कथा रखी गई है. इसमे नागपुर जिले के नरखेड़ की श्री वनदेवी साधिका आश्रम तीनखेड़ा की कथा प्रवक्ता अर्पिता मानस भारती भक्तों को श्रीराम कथा का रसपान कराएंगी. सभी को लाभ लेने आवाहन भक्तों से आयोजन समिति ने किया है इस बारे में जानकारी देते हुए संतकृपा मंडप डेकोरेशन के संचालक नाना काठोळे गौरव काठोळे एवं आयोजन समिति के पदधिकारियों ने बताया कि 13 मार्च से श्रीराम अमृत कथा शुरू हो व्दारा किया जाएगा . कथा के अलावा रोज सुबह 5 बजे से लेकर रात 10 बजे तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हों गे.इसमें सभी का सहयोग मिल रहा है. श्रीराम कथा सप्ताह का समापन

गई है. पहले दिन से भी भक्तों की कथा सुनने भीड़ उमड़ पड़ी है. कथा प्रवक्ता भी प्रभु श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का मार्मिक तरीके से विवेचन कर रही हैं. इस समय सीताराम महाराज, एवं समाजसेवी सुदर्शन गांग, सुरेश करवा प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे. रोज दोपहर 1 से 5 बजे तक श्रीराम अमृत कथा का वाचन साध्वी अर्पिता मानस भारती बुधवार 21 मार्च को गजानन महाराज वायकर के गोपालकाला कीर्तन से होगा. इस दिन दोपहर 12 से 4बजे तक महाप्रसाद कार्यक्रम रखा गया है. सभी भक्तों से कथा महाप्रसाद का लाभ लेने का आग्रह किया है. श्रीराम कथा के कारण पूरा क्षेत्र ही श्रीराममय हो गया है. युवाओं की भागदौड़ की सराहना की जा रही है.

श्री ब्रह्मा बाबा के जीवन के सत्य प्रयत्न पर द लाइट फिल्म

विदर्भ स्वाभिमान,13 मार्च

अमरावती- ब्रह्माकुमारीज गॉडलीवुड स्टुडिओ तथा समाज सेवा प्रभाग अमरावती द्वारा आयोजित द लाइट्नामक मूवी को बीते कई दिनों से निशुल्क दिखाया जा रहा है.यह मूवी प्रभात टॉकीज में चल रही है, जिसमे प्रथम दिन उद्घाटन में सांसद डॉ. अनिली बोंडे भी मौजूद थे.आज इस मूवी का अमरावती का अंतिम दिवस था.

यह मूवी ब्रह्माकुमारीज़ के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा के जीवन के सत्य प्रसंगों पर आधारित एनिमेटेड फिल्म है. यह सुंदर प्रस्तुति 2 मार्च से 10 मार्च तक रोज प्रभात टॉकीज में चल रहा था.इसे शहरवासियों ने बेहतरीन प्रतिसाद दिया.

आज के इस अंतिम शो को देखने के लिए अमरावती क़ी जानी-मानी हस्तियों को आमंत्रिण किया गया था.इसमें प्रसिद्ध समाज सेवक श्री गोविंद भैया कासट के साथ धार्मिक तथा सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले समाजसेवी चंद्रकुमार जाजोदिया (लप्पीभैया), महाराष्ट्र राज्य कुस्ती महासंघ के उपाध्यक्ष संजय तिरथकर, अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती जया ताई राऊत, पवन जाजोदिया, विकास केजरीवाल, हरीश अडवाणी उपस्थीत थे. विभिन्न मान्यवरों ने इस मूवी का आनंद उठाया. ब्रह्माकुमारिज परिवार की समाजसेवा को देखते हुए प्रसिद्ध समाजसेवक डॉ. गोविंद कासट ने अमरावती सेवा केंद्र संचालिका राजयोगिनी सीता दीदी का सत्कार किया. उपस्थितों ने अपने विचार रखे. लप्पीभैया जाजोदिया ने कहा कि ओम शांति ब्रह्माकुमारी के द्वारा पूरे विश्व में शांति की स्थापना की जा रही है.अमरावती के कई ब्रह्माकुमारी परिवारों ने हिस्सा लिया जिसमे राजयोगिनी सीता दीदी, इंदिरा दीदी, बिंदु दीदी,अश्विनी दीदी, दीपाली दीदी, ज्वाला दीदी, योगिता दीदी,विशाल तापड़िया,तेजल दीदी, राजेश भाई, आशाताई, राजेश बोंडे, प्रमोद भाईजी,दीपक घाटे, सुरेश इंगोले,राजू डांगे सर, कुलकर्णी जी, गुल्हाने भाईजी व समस्त अमरावती ब्रह्मकुमारी परिवार मौजूद था.क़ार्यक्रम की सभी ने सराहना की.

गर्भावस्था एक सुंदर अनुभूति

डॉ.रामगोपल तापडिया
सुख्यात होमियोपैथी चिकित्सक,अमरावती.

महिलाओं को सृजन की जननी कहा जाता है. वह एकमात्र ऐसी त्याग की मूर्ति होती है जो नए जीवन को देने के लिए अपने जीवन को भी दांव पर लगाती है. गर्भ के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां पर राष्ट्रीय स्तर के होमियोपैथी विशेषज्ञ डॉ. रामगोपाल तापडिया प्रकाश डाल रहे हैं, विदर्भ स्वाभिमान के माध्यम से यह महिलाओं को सादर प्रस्तुत है, जो अत्याधिक कारगर होने का विश्वास है.

नारी ईश्वरी की एक अद्भभूत देन है, जो कि सुंदर सहन शीलतापूर्ण, बहुआयामी व्यक्तिमत्व की धनी, वात्सल्य ममता की मूर्ति है. जीवन की हर पायदान पर खुशियां बटोरती हुई त्याग की मूर्ति के रुप में हम उसे देखना चाहते हैं. सहनशीलता और ममता से परिपूर्ण व्यक्तीमत्व तब और ही प्रभावशाली संयमी बनता है. जब वह मातृ अवस्था में प्रवेश करने वाली होती है. यह गर्भावस्था एक सुंदर अनुभूती है, जो कि नारी उसे हर नारी महसूस करना चाहती है. किंतु यदि यह गर्भावस्था की तैयारी कुछ महिने पहले से की जाये तो यह अवस्था और भी आनंददायी और निरोगी रह सकती है. रोज-रोज की भागदौड़ में महिलाएं हर एक काम बसूबी निभा लेती है. परंतु जब खुद की सेहत, आहार का विषय आता है, तब वह उसे नजरअंदाज कर देती हैं और फिर गर्भावस्था में अनेक जटिल समस्याओं से जूझना पड़ता है. ऐसी समस्या को पहले थोड़ा ध्यान देना जरुरी है. किसी भी महिला के लिए गर्भावस्था बेहद खास पल होता है. इस दौरान मानो उसे सारे जहां की खुशियां मिल जाती हैं और अवस्था बच्चे को कोख में पालना बहुत जिम्मेदारी होती हैं. यह जिम्मेदारी उठाने के लिये बहुत जिम्मेदारी होती हैं. यह जिम्मेदारी उठाने के लिए गर्भावस्था के 4 माह पहले ही तैयारी करना जरुरी हैं. जैसे की महिला का मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा निरोगी होना चाहिए. तान-तनाव से खुद को दूर रखना चाहिए. अधिक बढा हुआ वजन अगर है तो उसे पहले ही नियंत्रण में लाना जरुरी है. जो कि गर्भावस्था में पूरे 9 माह में एक 10 कि.ग्रा. वजन बढना है तो उसे तरीके से उसे नियंत्रित रखना हैं. बीपी (उच्च रक्तचाप), कोलेस्टेरॉल, ब्लड शुगर, थॉयरॉईड यह समस्या हैं तो उसे पहले ही नियंत्रित करे उस पर इलाज कर लेवे.

जंक फूट से भी बचें

किसी भी तरह का नशा, जंक, फूड, से खुद को दूर रखे. खान-पान का एक विशिष्ट टाईमटेबल होना चाहिए एवं आहार में हरी सब्जिया, दूध, फल, तृणधान्यों का समावेश भरपूर मात्रा में होना चाहिये, विशेषतः प्रोटीन, कैल्सियमयुक्त आहार लेना चाहिए. कुछ चीजें गर्भावस्था को जटिल बनाती हैं, जैसे 18 से कम उम्र होना या 35 से ज्यादा उम्र होना, 4 से अधिक बच्चे होना, बार-बार ॲबोरशन की हिस्ट्री होना, हिमोग्लोबीन की कमी होना, ऐसी अवस्था में गर्भधारण ना करें या फिर गर्भधारणा से पहले ही डॉक्टरो की सलाह लें.

कुछ बातें जो गर्भधारणा के दौरान खतरे का संकेत देती है. जैसे वजन का ना बढ़ना, हिमोग्लोबीन 10 से कम रहना, बीपी का कम या जादा होना हाथ पैरो पे अधिक मात्रा में सूजन आना, गर्भ की हलचल कम महसूस होना या ना होना. सफेद पानी जाना, खून का बहना, पेट में दर्द ऐसी अवस्था में महिला को तुरंत अस्पताल में दाखिल करना चाहिए.

आहार, डॉक्टर की सलाहनुसार हलका फूलका व्यायाम कसरत, यह बाते गर्भावस्था को जैसी निरोगी बनाये रखती है, वैसे ही मन, घर का वातावरण शांत एवं साफ-सुथरा होना उतना ही जरुरी है.

गर्भावस्था के दौरान कोई भी दवाई ना लेवे और जो भी लें वह डॉक्टर के सलाह नुसार ही ले, क्योंकि कुछ दवाईयां गर्भ पर विपरीत परिणाम करती हैं. ऐसी दवाई से बचने के लिए डॉक्टर की सलाह जरुर ले. गर्भावस्था के दौरान गर्भ सुरक्षा के लिये जैसे माता ने कुछ उपाय करने चाहिए वैसे ही कुछ नियमों का पालन पिता ने भी करना चाहिए जैसे माता को प्रसन्न वातावरण उपलब्ध करवाना चाहिए, गुस्से से बोलना, चिढना, शिकायते करना अबोल रहना यह व्यवहार छोड़ देना चाहिए. किसी भी प्रकार का नशा करना बंद कर देना चाहिए.

मन में गुस्सा, चिड़चिड़ाहट, भय, तक्रार यह उपरी दिखनीवाली चीजें गर्भ पर विपरीत परिणाम करती है. जैसे की हाथ पर एक्टिव बेबी, गुस्सेवाला बालक, मारपीट करनेवाला बालक बनाती है. उसके ही साथ कुछ बालको में चर्मरोग या कुछ क्रोनीक बीमारियों की भी शुरुवात कर सकती हैं. ऐसी बीमारियों से बचने के लिए शांत प्रसन्न और सेवाभावी तथा खिलाडी वृत्ती से यह नौ मास व्यतीत करने चाहिए. जिस से की गर्भ में ही संतान को अच्छे संस्कार मिल सके.

गर्भावस्था के दौरान सामान्यतः होनीवाली मुश्किलें जिसे हम बढ़ने से रोक सकते है. किंतु छोटी-छोटी लगने वाली यह समस्याओं को नजर अंदाज करने पर वह जादा मुश्किले प्रसव के दौरान या बाद में खड़ी कर सकती हैं. इस श्रृंखला में हम ऐसी ही समस्याओं से कैसे बचा जाये या फिर इन्हें कैसे पहचाने और उपाय जानने की कोशिश करने का प्रयास करते हैं. इसकी अगली कड़ी अगले अंक में.

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

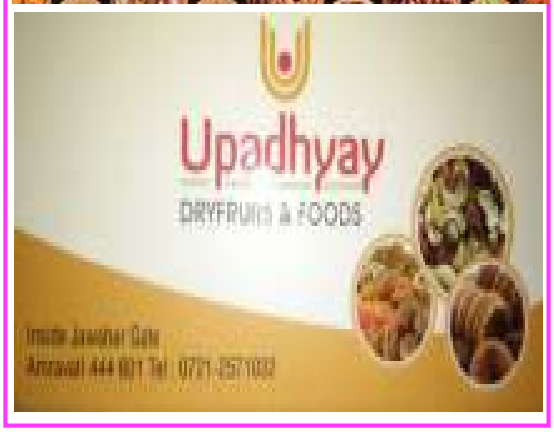

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

राज्यपाल ने देखी आर्टिकल 370 फिल्म

रांची- झारखंड की राजधानी स्थित पीजेपी सिनेमाघर में झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने हाल में रिलीज हुई फिल्म आर्टिकल 370 देखी. पूरे परिवार के साथ फिल्म देखने पहुंचे राज्यपाल ने कहा कि इसमें देशभक्ति है. उन्होंने कहा कि हम सभी भारतीय हैं और सभी बराबर हैं. तमिल किसी और से बेहतर नहीं, कोई कश्मीरी किसी और से बेहतर है.

राज्यपाल ने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी एक हैं. आर्टिकल 370 कश्मीर को हमेशा से बाकी देश से अलग करता था. आर्टिकल 370 के हटने के बाद कश्मीर में विकास का बाहर वातावरण तैयार हुआ, पर्यटन का विकास हुआ, शिक्षा का बाहर विकास हुआ और भविष्य में कश्मीर देश का एक धनी राज्य बनकर उभरेगा.

राज्यपाल ने कहा कि सभी लोगों को यह फिल्म देखना चाहिए. वहीं बाकी राज्यों में इसे टैक्स फ्री किए जाने के कारण झारखंड में भी टैक्स फ्री करना चाहिए पर पूछे गए सवाल पर राज्यपाल कहा कि ये झारखंड सरकार विषय है, पर देशभक्ति वाली फिल्में को टैक्स फ्री करना चाहिए. उनके मुताबिक देशभक्ति की भावना बढ़ाने वाली ऐसी फिल्मों का निर्माण निश्चित तौर पर होना चाहिए.

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

अब भारत की बात सुन रहा है पूरा संसार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बदल रहा है मेरा भारत

विदर्भ स्वाभिमान,13 मार्च

लखनऊ - रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की बात अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर सुनी जा रही है. उन्होंने यूक्रेन से भारतीय मेडिकल विद्यार्थियों को सकुशल निकाले जाने की घटना का भी जिक्र किया जिसके लिए रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध कुछ समय के लिए रोक दिया गया था. पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मित्र स्वर्गीय टी एन मिश्रा के नाम पर एक चौराहे का उद्घाटन करने के बाद अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, पहले की तुलना में अब, जब हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाते हैं, तो हमें सुना जाता है. मौजूदा शासन में दुनियाभर में इस देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है.

रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि जब युद्ध शुरू हुआ, तब हजारों विद्यार्थियों के माता-पिता ने यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे अपने बच्चों को सकुशल वापस लाने की आवाज उठानी शुरू की. उन्होंने कहा, यह कठिन स्थिति थी. मिसाइलें दागी जा रही थीं, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन से बात की तथा उनकी अपील पर साढ़े चार घंटे के लिए युद्ध रोक दिया गया एवं हमारे विद्यार्थियों को वहां से निकाल लिया गया. राजनाथ सिंह ने कहा कि इस देश की अर्थव्यवस्था का आकार 2027 तक विश्व में शीर्ष तीन देशों में से एक होगा और भारत भविष्य में एक आर्थिक महाशक्ति भी बनेगा. साथ ही बताया कि अब भारत बदल रहा है. विश्व शक्ति बनकर वह तेजी से उभर रहा है. यह गर्व की बात है.

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने पूरे उत्तर प्रदेश में स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन करने में विफल रहने पर राज्य सरकार के प्रति असंतोष जाहिर किया है. न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बी.आर. सिंह की पीठ ने कहा कि राज्य के विभिन्न विभागों के बीच हुए पत्राचारों के अवलोकन से यह साबित होता है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा 14 अगस्त 2017 को जारी किए गए निर्देशों को लागू करने में जमीनी स्तर पर कोई प्रयास नहीं किया गया और न ही पिछले पांच साल से अधिक समय से कोई कवायद की गई.

गुरूवार 14 से 20 मार्च 2024

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

तो बहू नहीं मिलेगी

आधुनिक खोज मानव जीवन के लिए वरदान होनी चाहिए.लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि कई बार आधुनिक खोज ही इंसान के लिए सबसे बड़े दुश्मन का काम करती है.भारत में जिस तरह से बेटा बेटी की संख्या को लेकर संतुलन की स्थिति पैदा हो रही है उसके चलते आगामी वर्षों में कहीं ऐसा ना हो की बहू मिलना ही मुश्किल हो जाए.सरकार के साथ सामाजिक संस्थाओं को भी इस मामले की गंभीरता को समझते हुए अभी से इस दिशा समुचित प्रयास करने की जरूरत है.प्राकृतिक संतुलन गढ़ बनाने के कितने खतरनाक परिणाम हो सकते हैं इसकी हम आज कल्पना भी नहीं कर सकते.बेटियों को भी माता-पिता के सपनों को आदर्श संस्कारों के साथ पूरा करते हुए स्वयं कोअत्यधिक काबिल बनना चाहिए.जिससे जीवन की हर परिस्थिति से वह निपट सके.

रिश्ते कभी भी हमारी सुंदरता, उम्र या व्यक्तित्व पर निर्भर नहीं करते हैं। रिश्ते हमेशा सच्चाई एवं हमारे द्वारा दिए गए समय, साथ और सम्मान पर निर्भर करते हैं..!!

शांति के अग्रदूत स्वामी राम कृष्ण परमहंस

शांति के अग्रदूत स्वामी राम कृष्ण परमहंस का क़ार्य विश्वव्यापी रहने के साथ ही राष्ट्रीयता के साथ ही मानवता से भी परिपूर्ण था. उनका जन्म 17 फरवरी, 1836 को बंगाल के ग्राम कामारपूकूर में श्री खुदीराम के घर मां चंद्रादेवी की कोख से हुआ था. उनका बचपन का नाम गदाधर था. मात्र सात वर्ष की अल्प आयु में ही पिता श्री खुदीराम का देहांत हो गया. उनका जीवन संघर्षमय रहा. वह सांसारिक सुखों और धन-दौलत के पीछे नहीं भागे. उनके भक्त उन्हें हजारों रुपए भेंट में देते थे मगर वह स्वीकार नहीं करते थे.23 वर्ष की आयु में वह कोलकाता के रानी रासमणि के मंदिर में पुरोहित पद पर आसीन हुए. स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी काली मां की आराधना एवं पूजा-अर्चना में संलग्न रहे. मंदिर की सेवा में लीन, वह सादा जीवन उच्च विचार रखते थे. उनका मानना था कि जब ईश्वर की कृपा हो

जाए तो दुनिया के दुख-दर्द नहीं रहते. यदि हम ईश्वर की दी हुई शक्तियों का दुरुपयोग करेंगे तो वह हमें दी हुई शक्तियां हमसे वापस छीन लेंगे. पुरुषार्थ से ईश्वर कृपा का पात्र बना जा सकता है.जैसे सिर्फ परमहंस ही दूध में से दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है, दूसरे पक्षी ऐसा नहीं कर सकते, इसी प्रकार साधारण पुरुष मायाजाल में फंस कर परमात्मा को नहीं देख सकता. चिंताओं और दुखों का रुक जाना ही ईश्वर पर निर्भर रहने का सच्चा स्वरूप है, मात्र ईश्वर ही विश्व के पथ प्रदर्शक और सच्चे गुरु हैं.जिसने आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर लिया उस पर काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार का विष प्रभाव नहीं करता. उनके इन्हीं गुणों के कारण स्वामी विवेकानंद जी उनके परम शिष्य बन गए.

नहीं देख सकते थे जनता के दुख

काली माता मंदिर में कठिन तपस्या, साधना से सिद्धि प्राप्त करने के बाद वह अपने परम भक्त मथुर दास विश्वास के साथ वृंदावन, वाराणसी और काशी विश्वेश्वर के लिए रेल यात्रा पर निकले. यात्रा के दौरान वह साथियों सहित बिहार के एक गांव वर्धमान के पास रुके.उन दिनों बिहार अकाल की चपेट में था. अन्न और जल दोनों की कमी थी. जनता दुख और कष्टों से बेहाल थी. करुणामय श्री राम कृष्ण परमहंस इस अवस्था को बर्दाश्त न कर सके.

वह अपने साथी माथुर बाबू से बोले-देखो भारत मां की संतान कैसे दीन और हीन भाव से ग्रस्त है. आप इन दरिन्द्रनारायण के भरपेट भोजन की व्यवस्था करो, तभी मैं यहां से आगे जाऊंगा. मैं उन्हें तड़पते-बिलखते नहीं देख सकता.शांति के अग्रदूत थे स्वामीजी. मानवता की सेवा में समर्पण के साथ वे किसी का दुःख नहीं दे सकते थे.उन्हें साक्षात नारायण ही उन देहों में दिख रहे थे. वह उन लोगों के साथ बैठ गए. जब तक इन नर-नारायणों की सेवा नहीं करोगे तब तक मैं यहां से नहीं हिलूंगा.उनकी आंखों से अश्रुधारा बहने लगी. तब माथुर बाबू कोलकाता गए और राशन की व्यवस्था की तथा करुणामयी श्री राम कृष्ण परमहंस की इच्छानुसार उनकी सेवा की. उनके इस असीम प्रेम से उन लोगों के चेहरों पर मुस्कान की लहर दौड़ गई. तब नन्हे बालक की भांति खुश होकर श्री रामकृष्ण परमहंस जी आगे की यात्रा पर रवाना हुए.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मत बुरा कर्म कर बंदे, वर्ना पछताएगा

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. ज़ो जीवन में केवल अपने लिए ही जीते हैं, उनमें और पशुओं में कोई अंतर नही होता है. लेकिन जो गरीबों, जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के मुताबिक मदद देने का काम करते हैं, प्रभु सदैव उनकी झोली खुशियों से भर देता है. इसलिए भाव के साथ देव का विश्वास रखते हुए सदैव अच्छा करने का प्रयास करें. किसी के साथ छल करने के बाद अपने साथ वैसा ही छल होगा, यह निश्चित मानकर चलें. बुरा करनेवाले को उसका दंड भुगतना ही पड़ता है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 23 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

पूज्य बाबूजी कहते थे कि परिवार में सदैव खुशी का माहौल ही सम्पन्नता के मार्ग को प्रशस्त करता है. जब हर व्यक्ति खुश होकर कोई भी काम करता है तो उसका नतीजा सदैव बेहतरीन होता है. लेकिन जब हर व्यक्ति तनाव में कोई काम करता है तो वह चाहे कार्यालय हो अथवा अन्य स्थान हो, वहां हर हाल में तरक्की दिखाई देती है. लेकिन परिवार में मनमुटाव होने पर सम्पन्नता के साथ स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है. इसलिए खुश रहें और खुश रखें.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com